धनतेरस से दीपावली तक स्थापित करें, देव दुर्लभ यंत्र जिनसे भौतिक जीवन में निरंतर सुख-समृद्धि, आर्थिक वृद्धि होती है।

भौतिक जीवन को आर्थिक रूप से सुदृढ़ बनाने हेतु

सांसारिक जीवन के लिये दुर्लभ पारद जिसे महादेव का प्रसाद कहा जाता है और उसी पारद कच्छप श्री शक्ति यंत्र को विशेष साधनात्मक क्रियाओं द्वारा मंत्रोच्चार, तंत्रोच्चार विधि से चैतन्य किया गया है। पारद कच्छप श्री शक्ति यंत्र का जो भी साधक स्थापन कर पूजन करता है, उसके जीवन में दरिद्रता, धन अभाव नहीं रहता है। समस्त भौतिक उपलब्धियों का एकमात्र उपाय **पारद कच्छप श्री शक्ति यंत्र** की स्थापना है।

कच्छप श्री शक्ति यंत्र

दक्षिणावर्ती शंख को लक्ष्मी का स्वरूप माना गया है। क्योंकि दक्षिणावर्ती शंख और लक्ष्मी दोनों की उत्पत्ति समुद्र से हुयी है। इसलिये दक्षिणावर्ती शंख को लक्ष्मी सहोदर कहा जाता है। यदि ऐसा शंख मंत्र सिद्ध हो तब ही आर्थिक उन्नति में सहायक सिद्ध होता है।

जिस घर में **दक्षिणावर्ती शंख** स्थापित हो उस घर को लक्ष्मी का निवास माना जाता है अर्थात् धन आगमन की स्थितियां निरंतर बनी रहती हैं और व्यापार अथवा रोजगार में सुदृढ़ता आती है।

दक्षिणावर्ती शंख

भगवती लक्ष्मी के हाथों में स्थित यह शंख देवी का महत्वपूर्ण आभूषण है। शुक्तिका मोती शंख जो भी अपने जीवन में स्थापित करता है, उसके जीवन में अमूल्य मोतीयों रूपी लक्ष्मी का आगमन निरंतर बना रहता है।

इस **शुक्तिका मोती शंख** को अपने व्यापार स्थल, घर अथवा फैक्ट्री में लाल कपड़े से बांध कर स्थापित कर दें। जब तक यह शुक्तिका मोती शंख आपके जीवन में रहेगा, साथ ही सुलक्ष्मियों की प्राप्ति होती रहेगी।

शुक्तिका मोती शंख

दीपावली पर्व पर इन्द्राणी वैभव लक्ष्मी दीक्षा के साथ सम्पूर्ण सामग्री मात्र ₹ 2100